

प्रेषक,

डा० हेमलता ढौंडियाल
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक, उद्योग,
उद्योग निदेशालय
उत्तराखण्ड, देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 12 सितम्बर, 2007

विषय: वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून के अन्तर्गत भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई के कार्यालय भवन निर्माण हेतु धनराशि स्वीकृत किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड, देहरादून के पत्र संख्या 182/म0नि0/01/2007-08 दिनांक 22.5.2007 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु आयोजनागत पक्ष के अन्तर्गत उद्योग निदेशालय, राज्य औद्योगिक विकास निगम हेतु भवन निर्माण योजनान्तर्गत भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई के कार्यालय भवन निर्माण हेतु स्वीकृत धनराशि रुपये 475.89 लाख के सापेक्ष शासनादेश संख्या 2981/VII-1/151-ख/2006 दिनांक 11 अक्टूबर, 2006 एवं शासनादेश संख्या 1244/VII-1/07/151-ख/2006 दिनांक 20 मार्च, 2007 द्वारा आपके निवर्तन पर रखी गयी कुल रु० 222.19 लाख की धनराशि के अतिरिक्त वित्तीय वर्ष 2007-08 में तृतीय किस्त के रूप में रु० 40.00 लाख (रु० चालीस लाख मात्र) की धनराशि के व्यय किये जाने की इस शर्त के साथ श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं कि इस धनराशि का कोषागार से आहरण पूर्व स्वीकृत समस्त धनराशि का उपयोग करने के बाद शासन की सहमति से ही किया जायेगा।

2- उक्त धनराशि आपके निवर्तन पर इस आशय से रखी जा रही है कि स्वीकृत धनराशि का एकमुस्त आहरण कर भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई के माध्यम से निर्माण एजेंसी को तत्काल उपलब्ध करायी जायेगी और इस धनराशि का शीघ्रातिशीघ्र उपयोग सुनिश्चित किया जायेगा ताकि कार्यालय भवन शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण हो सके। व्यय में मितव्ययता गिताना आवश्यक है तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिस व्यय करने से वित्तीय नियमों का उल्लंघन होता हो यह करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका/बजट मैनुअल के नियमों का पालन भी सुनिश्चित किया जाय। उक्त धनराशि का उपयोग भवन निर्माण/आवास संबंधित धरिज्य के अनुरूप ही किया जायेगा।

3- स्वीकृत धनराशि का व्यय शासनादेश संख्या 2981/VII-1/151-ख/2006 दिनांक 11 अक्टूबर, 2006 में इंगित शर्तों के अधीन किया जायेगा।

4- वर्षान्त तक स्वीकृत की गयी धनराशि के विपरीत व्यय की गयी धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं योजना की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध कराया जायेगा। व्यय के उपरान्त यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो दिनांक 31.03.2008 तक शासन का समर्पित किया जायेगा। व्यय उन्हीं योजना/कार्यों पर किया जाय जिन कार्यों हेतु यह स्वीकृत किया जा रहा है। स्वीकृत की जा रही धनराशि के पूर्ण उपयोग एवं उक्त विवरण उपलब्ध कराये जाने के बाद ही आगामी फिस्त अतुभुक्त की जायेगी।

5- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के अनुदान संख्या-23, मुख्य लेखाशीर्षक 4851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योगों पर पूंजीगत परिव्यय, 00-आयोजनागत 102-लघु उद्योग, 06-उद्योग निदेशालय, राज्य औद्योगिक विकास निगम आदि हेतु भवन निर्माण-00, 24-बृहद निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

6- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 402/XXVII(2)/2007 दिनांक 7 सितम्बर, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीया,

(डा० हेमलता ढौंडियाल)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 2946(1)/VII-2-07/151-ख/2006 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्य हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून।
3. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी।
4. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. अपर सचिव, वित्त (वजल), उत्तराखण्ड शासन।
6. उप निदेशक, भूतत्व एवं खनिजार्थ इकाई, देहरादून।
- ✓ 7. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. वित्त अनुभाग-2
9. गार्ड-फाईल।

आज्ञा सं.

(डा० हेमलता ढौंडियाल)
अपर सचिव।